उपस्थिति जांच के बाद होगा 840 विद्यार्थियों की कापी का मूल्यांकन

- यूटीयू से संबद्ध कालेजों को महंगा पड़ेगा छात्रों की उपस्थिति भेजने में त्रुटि का बहाना
- 75 प्रतिशत उपस्थिति के मानक पूरे नहीं करने वाले छात्र की नहीं हुई मुश्किलें कम

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध स्ववित्तपोषित कालेजों को अपनी जिम्मेदारी पर 840 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति कम होने के बावजूद सेमेस्टर परीक्षा में बैठना महंगा पड़ सकता है। विवि ने कालेज निदेशक की ओर से दिए शपथ पत्र को आधार मानकर कम उपस्थितिं की त्रुटि को स्वीकार कर लिया है, लेकिन ऐसे छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन उपस्थिति जांच करने के बाद ही होगा। यदि उपस्थिति में गड़बड़ी पाई गई तो संस्थान व छात्र दोनों पर कार्रवाई होगी।

यूटीयू इस बार उपस्थिति को हल्के में लेने वाले छात्र-छात्राओं को मोहलत देने को तैयार नहीं है। साथ ही जो संस्थान कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति को लेकर गंभीर नहीं थे उन्हें भी सबक सिखाने की तैयारी की जा रही है। यूटीयू प्रशासन ने संबद्ध संस्थान निदेशकों को किसी छात्र की उपस्थिति भेजने में हुई त्रुटि सुधार के लिए 16 मई को पत्र जारी किया था कि किसी छात्र की उपस्थिति भेजने में यदि कोई त्रुटि हुई है तो शपथ पत्र, के साथ अपडेट उपस्थिति भेजें। विवि से संबद्ध करीब 36 निजी संस्थानों ने शपथ पत्र देकर 100 से लेकर 200 तक कम उपस्थिति वाले छात्रों को त्रुटि की लिस्ट में रख परीक्षा में शामिल कर दिया। विवि की सेमेस्टर परीक्षा बीते मंगलवार से प्रारंभ हो गई है।

विवि के परीक्षा नियत्रंक डा. वीके पटेल ने विवि से संबद्ध सभी राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित संस्थानों के प्राचार्य/निदेशकों को बुधवार को पत्र जारी किया। बताया कि कम उपस्थिति वाले जिन छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई है, उन छात्रों की परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का बंडल अलग से बनाएं, ताकि ऐसे छात्रों का मूल्यांकन उपस्थिति जांच के बाद हो। कहा कि ऐसे छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं पालीवार, विषयवार, संस्थानवार अलग-अलग बनाएं और पैक कर उसे विवि को प्रेषित करें। कार्रवाई करने की जिम्मेदारी केंद्र अधीक्षक के स्तर पर की जाएगी। विदित रहे कि दैनिक जागरण ने इस मामले को लेकर 10 और 16 मई को 840 छात्रों के जारी नहीं हुए प्रवेश पत्र के संबंध खबरें प्रकाशित की थीं।

यह है छात्र और संस्थान पर कार्रवाई का मामला

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने वर्ष 2023 में आयोजित कार्य परिषद में छात्रों की 75 प्रतिशत उपस्थिति का आर्डिनेंस जारी किया था। इसे लेकर समय-समय पर संबद्ध संस्थानों को चेतावनी भी दी गई, लेकिन संस्थानों और छात्रों ने इसे नजरअंदाज किया। 20 मई से प्रारंभ हुई सेमेस्टर परीक्षा के लिए जब विवि प्रशासन ने आनलाइन संस्थानवार उपस्थिति मांगी तो 840 छात्रों की उपस्थिति मानक से कम पाई गई। ऐसे छात्रों को विवि ने प्रवेश पत्र जारी नहीं किए, जिससे संस्थान प्राचार्य और निदेशक परेशान होने लगे। अब विवि ने सशर्त परीक्षा में बैठने की अनुमति तो दे दी है, लेकिन मूल्यांकन पर रोड़ा अटका दिया।